प्रशिक्षण दर्पण

त्रैमासिक पत्रिका

क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान, मध्य रेल, भुसावल – 425203

अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता आय.एस.ओ. 9001:2000 प्रमाणित प्रथम क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान

फोन - 02582-222678/224600 फैक्स - 02582-222678

रेलवे - 54900/54918/54920 ई-मेल - zrti@bsl.railnet.gov.in , zrtibsl@gmail.com

वर्ष : षष्ठम अंक : इक्कीसवां जुलाई से सितंबर 2011

मुख्य संपादक की कलम से

संस्थान की पत्रिका प्रशिक्षण दर्पण का प्रथम संपादकीय लिखते हुए मुझे अत्यंत हर्ष हो रहा है। यह पत्रिका संस्थान के क्रियाकलापों को उजागर करने के साथ साथ नित्य महत्वपूर्ण लेख समाहित करती है।

पत्रिका के संपादक मंडल को मैं बधाई देता हूं एवं पत्रिका को बेहतर बनाने हेतू प्रबुद्ध पाठकों के सुझाव आमंत्रित करता हूं।

शुभकामनाओं सहित ।

एल.एम. सैयद
प्राचार्य

ग्लोबल वार्मिंग – एक संभावित संकट

संजय कुमार झा (यातायात प्रशिक्षक)

आज विश्व अनेक प्रकार की समस्याओं से जूझ रहा है इनमें से एक गंभीर समस्या "प्राकृतिक आपदा" है। पिछले कुछ दिनों में कई ऐसी घटनाएं हुई है जिससे मानव के अस्तित्व पर प्रश्न चिन्ह लगने लगा है। चाहे वो भारत तथा जापान में आने वाली सुनामी हो या अमेरिका का तुफानी चक्रवात, उत्तर भारत की भयंकर बाढ़ हो या अचानक मौसम में परिवर्तन। ये सारी अनेपेक्षित घटनाएं कहीं न कहीं भविष्य में आने वाले संकट का संकेत दे रही हैं। ऐसा क्यों हो रहा है ? इसके कारण क्या हो सकते हैं ? ऐसे कई प्रश्न हमारे जहन में आते हैं। इन कारणों को ढुंढने की कोशिश के क्रम में एक जो सकसे बड़ा कारण हो सकता है वो है "ग्लोबल वार्मिंग"। आइए इसे समझें एवं ऐसा होने के कारणों की चर्चा करें।

"ग्लोबल वार्मिंग" का अर्थ है नित्य प्रतिदिन धरती के तापमान में वृद्धि होना जो कि मानव सभ्यता पर एक गंभीर खतरा उत्पन्न कर सकता है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण इस सदी में धरती के तापमान में डेढ़ से दो डिग्री वृद्धि हुई है जिसके परिणामस्वरूप मौसम में तेजी से परिवर्तन, ग्लेशियर का पिघलना, बाढ़, तुफान का आना इत्यादि संभावनाएं उत्पन्न हो सकती है तथा जैव समुदाय एवं अजैव वातावरण के बीच परिस्थितकी संबंध पर खतरा उत्पन्न हो सकता है। आइये इस ग्लोबल वार्मिंग के कारणों को ढुंढने की कोशिश करें -

1. कोयला, डीजल, पेट्रोल जैसे जीवाश्म ईंधनों को उर्जा के लिए प्रयुक्त किया जाता है। कारखानों, तापीय विद्युत गृहों तथा वाहनों में जीवाश्म ईंधन को जलाने से बड़े पैमाने पर कार्बन डाइआक्साइड, सल्फर डाइआक्साइड, नाइट्रोजन डाइआक्साइड, कार्बन मोनो आक्साइड जैसी अस्थिर गैसे उत्पन्न होती हैं ये सभी गैसे तथा कार्बन के कण पृथ्वी के उपर एक तह बना लेते हैं जिससे पृथ्वी पर पड़ने वाले यू वी किरणें प्रत्यावर्तित होकर वापस नहीं जा पाती फलस्वरूप धरती के तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है और ग्लोबल वार्मिंग जैसी गंभीर संभावित खतरे की समस्या उत्पन्न हुई है।
2. ओजोन O3 आक्सीजन के तीन परमाणु मिलकर बनने वाली गैस है जिसकी एक परत पृथ्वी से 20 से 30 किमी ऊंचाई पर स्थित है। ये ओजोन मंडल समुचे पर्यावरण के रक्षक के रूप में कार्य करता है क्योंकि ये सूर्य से आने वाली हानीकारण परावैंगनी किरणों (Ultraviolet Rays) को पृथ्वी तक पहुंचने से रोकती है। रासायनिक प्रदूषकों से O3 के अणु नष्ट होने लगे हैं और ये परत पतली होने लगी है जिससे परावैंगनी किरणें सीधे पृथ्वी पर आ रही है। यह किरणें प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया को बुरी तरह प्रभावित करती है तथा धरती का तापमान बढ़ता है। विशाल हिमखंडों का पिघलना, ग्लेशियर का पिघलना और बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न करना इसी का परिणाम है।
3. एयर कंडीशनिंग उपकरणों, रेफ्रीजरेटरों तथा ए.सी. एवं शीत गृहों में क्लोरोफ्लोरो कार्बन गैस (सीएफसी) प्रयुक्त की जाती है ये गैस वायुमंडल के ओजोन परत को बुरी तरह प्रभावित करके क्षति पहुंचा रही है जिससे हानिकारक अल्ट्रावायलेट किरणे जहाँ एक तरफ ग्लोबल वार्मिंग का मुख्य कारण हैं वहीं दूसरी तरफ मानव, जीव जन्तु तथा वनस्पतियों पर घातक प्रभाव डालती हैं।

ये यू वी किरणें मनुष्य के लिए त्वचा कैंसर का कारण बनती हैं तथा वनस्पतियों के लिए प्रकाश संश्लेषण की क्रिया में बाधक बन सकती हैं।

ग्लोबल वार्मिंग को रोकने के उपाय एवं अन्तर्राष्ट्रीय प्रयास

1. वैश्वीकरण एवं औद्योगिकरण के कारण जीवाश्म ईंधन के बढ़ते प्रयोग एवं इस्तेमाल पर नियंत्रण करना पड़ेगा , क्योंकि इनसे उत्पन्न वायु प्रदुषण ग्लोबल वार्मिंग की मुख्य वजह है।

संतोष सेतु जब टूट जाता है, तब इच्छा का बहाव अपरिमित हो जाता है।

2. पारंपरिक उर्जा स्रोतों के दोहन पर विशेष ध्यान देना पड़ेगा साथ साथ इस प्रयोजन के लिए बायो डीजल प्लांट को लगाने पर भी हमें प्रयासरत रहना चाहिए।
3. जंगल तथा दूसरे प्राकृतिक स्रोतों के संरक्षण से पारिस्थितिकी संतुलन को बनाया जा सकता है। अत: वृक्षारोपण का का कार्य भी इस दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास माना जा सकता है।
4. जीवन शैली में बदलाव करके, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करके तथा रासायनिक उर्वरकों के स्थान पर जैविक खाद के प्रयोग करके उपरोक्त समस्या का निराकरण किया जा सकता है।
5. इस संदर्भ में वैश्विक प्रयास जिसके मद्देनजर कोपेनहेगेन सम्मेलन तथा क्योटो प्रोटोकाल एक मील का पत्थर हो सकते हैं।

राजभाषा पखवाड़ा - माह सितम्बर में हिंदी पखवाड़ा मनाया गया जिसमें हिंदी टिप्पण आलेखन, वाक प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता एवं हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया विजेता प्रतियोगियों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

विभिन्न हिन्दी प्रतियोगिताओं के परिणाम

कंप्यूटर पर हिंदी टंकण

क्र	नाम सर्वश्री	पदनाम	स्थान
1	विजय काशीनाथ मोरे	व.याता.प्रशि	प्रथम
2	योगेश देशमुख	का.अधीक्षक	द्वितीय
3	एस.के.माली	व.सिमु.प्रशि.	तृतीय
4	श्रीमती रोशन हारा	का. अधीक्षक	सांत्वना
5	पी.बी.राव	मु.याता.प्रशि	सांत्वना

हिंदी निबंध प्रतियोगिता

क्र	नाम सर्वश्री	पदनाम	स्थान
1	विजय काशीनाथ मोरे	व.याता.प्रशि	प्रथम
2	रामजी प्रसाद	व.प्रशि.ए.सी (टीआरएस)	द्वितीय
3	सूर्य कुमार	प्रवर लिपिक	तृतीय
4	अतुल एम दांडवेकर	व.याता.प्रशि	सांत्वना
5	ए जी गाडगील	मु.वाणि.प्रशि	सांत्वना

टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिता

क्र	नाम सर्वश्री	पदनाम	स्थान
1	पंकज कुमार सिंह	व.प्रशि.ए.सी (टीआरएस)	प्रथम
2	विजय काशीनाथ मोरे	व.याता.प्रशि	द्वितीय
3	पी.बी.राव	मु.याता.प्रशि	तृतीय
4	सूर्य कुमार	प्रवर लिपिक	सांत्वना
5	संजय कुमार राय	व.याता.प्रशि	सांत्वना

वाक् प्रतियोगिता

क्र	नाम सर्वश्री	पदनाम	स्थान
1	संजय कुमार राय	व.याता.प्रशि.	प्रथम
2	ए जी गाडगील	मु.वाणि.प्रशि	द्वितीय
3	अतुल एम दांडवेकर	व.याता.प्रशि.	तृतीय
4	संजय कुमार झा	याता.प्रशि.	सांत्वना
5	एस एस खरे	मु.प्रबंधन प्रशि.	सांत्वना

इन प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त कर्मचारियों को मुख्यालय स्तर पर होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने हेतू भेजा जाएगा।

अतिथियों का आगमन

1. दिनांक 7.7.11 को श्री सुनील वी. आर्या (उप महाप्रबंधक मध्य रेल) ने संस्थान में भेंट दी व सभी विभागों का निरीक्षण किया।
2. दि.04/08/11 को श्री विजय राम (मुख्य परिवहन योजना प्रबंधक प.म.रे.) ने संस्थान में भेंट दी एवं सभी विभागों का निरीक्षण किया।

3. दि.19/08/11 को श्री अविनाश कुमार गारेकर, (सी.एस.ओ.), श्री आर. के. गोयल (मुख्य इंजी (टीपी), श्री पी. बारापात्रे (अ. मं.रे.प्र. भुसावल) श्री जयपाल सिंह (डिप्टी सी.ई.ई.(परि.) एवं श्री ए. एस. बोकड़े (एस.टी.एम.रूल्स) ने संस्थान में भेंट दी तथा संरक्षा विषय पर सभी प्रशिक्षार्थियों से प्रत्यक्ष संवाद किया।
4. दि.21/08/11 को श्री प्रभात रंजन (मुख्य परिवहन योजना प्रबंधक मध्य रेल) ने संस्थान में भेंट दी तथा सभी विभागों का निरीक्षण किया।

5. दि.09/09/11 को श्री प्रभात कुमार (उप मुख्य सर्तकता अधिकारी) मध्य रेल ने संस्थान में भेंट दी एवं सभी विभागों का निरीक्षण किया।
6. दि.16/09/11 को श्री पी.के. श्रीवास्तव (मुख्य विद्युत इंजीनियर मध्य रेल) ने संस्थान में भेंट दी तथा सभी विभागों का निरीक्षण किया तत्पश्चात अंतर मंडल सांस्कतिक कार्यक्रम के कलाकारों को अपने कर कमलों द्वारा पुरस्कत किया एवं विद्युत कर्षण प्रतिमान कक्ष का उदघाटन भी किया।

प्रशिक्षण दर्पण

प्राचार्य जी का आगमन

दिनांक 12.7.2011 को श्री एल. एम. सैयद प्राचार्य ने संस्थान का कार्यभार संभाला एवं श्री के एम सक्सेना वरि. मंडल वाणिज्य प्रबंधक भुसावल के पद पर कार्यमुक्त हुए।

आई आर ए बी सिस्टम - डीजल मॉडल रूम में प्रायोगिक प्रशिक्षण हेतू आई .आर. ए. बी. पैनल लगाया गया जो लोको में एयर ब्रेक उपकरणों की स्थिति, एस.ए- 9 द्वारा लोको ब्रेक लगाना व रिलिज करना, ए-9 द्वारा बी. पी. प्रेशर बनाना व ड्राप करना, कंजक्शन वर्किंग में लोको ब्रेक लगाना एव रिलीज करना, लोको ब्रेक रिलिज न होने पर दोष निवारण, एयर फ्लो इंडिकेटर इत्यादि की जानकारी देने में सहायक होगा।

सदभावना दिवस –

दिनांक 20/08/11 को सदभावना दिवस के उपलक्ष्य में सभा का आयोजन किया गया जिसमें सभी अधिकारियों,प्रशिक्षकों ,कर्मचारियों एवं प्रशिक्षार्थियों को शपथ ग्रहण करवाई। सदभावना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में वाणिज्य विभाग की ओर से एक लघु नाटिका प्रस्तुत की गई। इस कार्यक्रम में राष्ट्र भक्ति गीतों की प्रस्तुती भी दी गई।

स्वतंत्रता दिवस - दि 15 अगस्त 11 को 65 वॉं स्वतंत्रता दिवस संस्थान में बड़े हर्षोल्हास से मनाया गया। 65वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में सर्व प्रथम प्राचार्य द्वारा ध्वाजारोहण किया गया। राष्ट्र गान के पश्चात प्राचार्य द्वारा महाप्रबंधक का संदेश सभी को पढ़कर सुनाया गया। प्रायमरी स्कूल एवं महिला समाज सेवा समिति द्वारा संचालित स्कूल के छात्र छात्राओं द्वारा परेड का प्रदर्शन किया गया प्राचार्य ने परेड करने वाले प्रशिक्षार्थियों, प्रायमरी स्कूल के छात्र छात्राओं को प्रथम,द्वितीय,तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया ।प्राचार्य ने प्रायमरी स्कूल एवं महिला समाज सेवा समिति द्वारा संचालित स्कूल के बच्चोंको उपहार देकर प्रोत्साहित किया।

नागरीक सुरक्षा - दिनांक 17/09/11 को नागरिक सुरक्षा बल के सदस्यों द्वारा एक आग बुझाने का डेमो प्रदर्शित किया जिसका लाभ सभी प्रशिक्षार्थियों ने उठाया।

अंतरमंडल सांस्कृतिक कार्यक्रम - दिनांक 13/09/11 से 16/09/11 तक संस्थान में मध्य रेल के सभी मंडल के कलाकारों द्वारा नाटक, नृत्य, समूह नृत्य एवं गीतों की प्रस्तुति दी गई।

विचार गोष्ठी - दिनांक 30/09/11 को वाणिज्य विभाग द्वारा सौजन्यता विषय पर विचार गोष्ठी संपन्न हुई जिसमें प्रशिक्षार्थियों एवं प्रशिक्षकों द्वारा सौजन्यता पर अपने विचार व्यक्त किये।

क्रोध पर नियंत्रण कैसे करें ?

ज्वाला प्रसाद (वरि. याता. प्रशिक्षक)

1. अगर आप क्रोध पर विजय पाना चाहते हैं तो दूसरों में क्रोध न उपजायें।
2. अगर आप कोई अपने पड़ोसी के घर में आग लगाता है तो वह अपने घर को जलने से नहीं बचा सकता।
3. जो लोग कट्टर विचार रखते हों उनसे विवादास्पद विषयों पर चर्चा से बचें।
4. अपने में जीवंत हास्य को बनाये रखें और जीवने के विनोद पक्ष को हमेशा देखने का प्रयास करें।
5. याद रखें जैसे आग के लिये पेट्रोल है, वैसे क्रोध के लिये क्रोध है। जैसे आग के लिये पानी है, वैसे क्रोध के लिये विनम्रता है
6. बुद्ध कहते हैं अगर तुम अपना दर्प अलग नहीं कर सकते तो तुम अपना क्रोध नहीं छोड़ सकते।
7. धैर्य से क्रोध को सहन करें। विनम्रता से क्रोध पर विजय प्राप्त करें।
8. क्रोध का सीमित और यदा – कदा प्रयोग का यत्न छोड़ दें।
9. जैसे की सीमित कौमार्य का कोई अर्थ नहीं है, वैसे ही तर्क संगत क्रोध का कोई अस्तित्व नहीं है।
10. क्रोध से कोई कदम उठाने में देरी करें। चेहरे पर क्रोध छलकाने से बचें। क्रोध छलक आया हो तो कटु शब्द बोलने से बचें। कटु बोल गये हों तो हाथ उठाने से बचें। पर अगर आप हाथ उठा चुके हों तो बिना समय गंवाये आंसू पोछें और पूरी ईमानदारी और विनम्रता से क्षमा याचना करें।
11. क्रोध न रोक पाने के लिये अपने आप पर बहुत कड़ाई से पेश न आयें अपने आप को पूरी निष्ठा और सौम्यता से संभालें।
12. अहंकार, अपने को सही मानने की वृत्ति, और स्वार्थ को निकाल बाहर फैंके।
13. अपने में व अपने आसपास सतर्कता का भाव रखें। बुराई को बाहर से अन्दर न आने दें।

प्रशिक्षण दर्पण

सफलता ...

बापू सरोदे (याता. प्रशिक्षक)

" सदा मुस्कराना और सबको प्यार करना
गुणी जनों का सम्मान पाना बच्चों के दिल में रहना
सच्चे आलोचकों से स्वीकृती पाना
झूठे दोस्तों की दग़ाबाज़ी को सहना
खूबसूरती को सराहना, दूसरों में खूबियां तलाशना
किसी उम्मीद के बिना दूसरों के लिए खुद को अर्पित करना
उत्साह के साथ हंसना और खेलना
और मस्ती भरे तराने गाना, इस बात का अहसास कि
आपकी जिन्दगी ने किसी एक व्यक्ति का जीवन आसान बनाया
यही सच्ची सफलता है। "

मध्य रेल पर दुर्घटना राहत गाड़ी एवं चिकित्सा सहायता गाड़ियों की विस्तृत उपलब्धता स्थिति

अरूण कुमार सिंह (वरि. याता. प्रशिक्षक)

भुसावल मंडल

क्र	स्टेशन	वर्गीकरण	क्षेत्राधिकार
1	भुसावल	A–140T	BSL-CSN, BSL-BD, BSL-KMN,JM-KMN, BD-AMI
2	मनमाड़	B	MMR-CSN, BSL-BD, BSL-KMN, JM-KMN, BD-AMI
3	मुर्तिजापुर	रोडART	MZR-YTL, MZR-ELP
4	भुसावल	ARME-I	BSL-MMR, CSN-DHI, BSL-BD, JM-KMN, BD-AMI, BSL-KNW

नागपुर मंडल

क्र	स्टेशन	वर्गीकरण	क्षेत्राधिकार
1	अजनी	A–140T	AJNI-SINDI, AJNI-Narkhed,
2	वर्धा	B	WR-BD,WR-BPQ,WR–SNI, MJRI-PMKT, TAE-GGS
3	आमला	B	AMLA-Narkhed, AMLA-ET, AMLA-CWA
4	अजनी	रोड ट्रक (HRE)	
5	नागपुर	ARME-I (स्वनोदित)	NGP-SNI, NGP-NRKR

मुंबई मंडल

क्र	स्टेशन	वर्गीकरण	क्षेत्राधिकार
1	कुर्ला	A–140T	CSTM– KYN (हार्बर लाईन सहित) वसई –दीवा – रोहा
2	कल्याण	B	KYN-IGP, KYN – PA, KYN-DIVA- VASAI - ROHA
3	ईगतपुरी	B	IGP-NIPHAD, IGP-KSRA
4	रोडART		कुर्ला – कल्याण
5	टूल वैन	कंवेक्शनल जैक सहित	WB,KYN,KLMG,JASAI,TMBY, LNL,NERAL (NG)
6	कल्याण	ARME-I (स्वनोदित)	KYN-KSRA, KYN-LNL, KYN-DIVA-VASAI-ROHA, CSTM-KYN (हार्बर लाईन सहित)
7	इगतपुरी	ARME-I	IGP-MMR, IGP-KSRA

पुणे मंडल

क्र	स्टेशन	वर्गीकरण	क्षेत्राधिकार
1	मिरज	A–140T	MRJ-PVR, MRJ-PA, MRJ-KOP
2	पुणे	रोड ट्रक (HRE) टूल वैन (HRE)	
3	पुणे	ARME-I	MRJ-PVR, MRJ-SATARA, MRJ-KOP,PA-LNL,PA-STR,PA-DD
4	मिरज	ARME-I	MRJ-PVR,MRJ-STR,MRJ-KOP

सोलापुर मंडल

क्र	स्टेशन	वर्गीकरण	क्षेत्राधिकार
1	दौंड	A–140T	DD-PVH, DD-MMR, DD-SUR, DD-BRMT, KWV-PVR, KWV-LUR RD, DD-PA
2	वाडी	B	WD-SUR
3	सोलापुर	रोड ट्रक (HRE) टूल वैन (HRE)	
4	दौंड	ARME-I	DD-MMR, DD-BRMT,DD-KWV
5	सोलापुर	ARME-I	SUR-KWV-PVR, SUR-KWV-LUR RD

बधाई / विदाई / स्वागत

1. श्री वी. एन. शुक्ला (स .परि.प्रबंधक) श्री आर. के .राम (स. वाणि. प्रबंधक), श्री ए.एम.कुलकर्णी (स. मं. यां .इंजी.), श्री आर.पी.चौधरी (स. मं .वि .इंजी) के संस्थान में आगमन पर स्वागत।
2. श्री के. एम. सक्सेना (प्राचार्य) का वरि.मंडल वाणिज्य प्रबंधक भुसावल के पद पर स्थानांतरण होने पर उन्हें विदाई।
3. श्री आर. एस. तिवारी (स.मं.यां.इंजी.) के भुसावल मंडल में स्थानांतरण पर विदाई।
4. सीमित विभागीय प्रतियोगी परीक्षा में श्री आर.एल.प्यासे स.मं.यां. इंजी. पुणे तथा श्री वी. बी. पाटील स. मं. यां. इंजी. (कोचिंग) मुंबई के पद पर पदोन्नति होने पर बधाई।
5. श्री ए.के.पाठक (वरि.याता.प्रशिक्षक) तथा श्री ए.जी.गाडगील (मु. वाणिज्य प्रशिक्षक) श्री आर.एम.गोरे (वरि.वाणि.प्रशिक्षक) के ग्रुप बी की सीमित विभागीय प्रतियोगी परीक्षा उत्तीर्ण करने पर बधाई।
6. श्री एस.सी.पेंडसे श्री सी.एम.पायस्कर (वरि.लेखा प्रशिक्षक) श्री बी. आर.पाटील, श्री मोहन बर्हाटे, श्री सुनील अंबाड़े, श्री आर. एम. गोरे, श्री हरीश पाटील (सभी वरि.वाणिज्य प्रशिक्षक) का संस्थान में आगमन पर स्वागत।
7. श्री ए. के. झा (याता प्रशिक्षक), श्री विभास मुले (मु. लेखा प्रशिक्षक), श्री एस. एन. वाणी (वरि. वाणिज्य प्रशिक्षक) के कार्यकाल समाप्ति पर मंडल में स्थानांतरण पर विदाई।
8. श्री पंकज कुमार सिंह (वरि.प्रशिक्षक एसी.टी.आर.एस.) को अखिल रेल स्तर की हिन्दी टिप्पण एवं आलेखन प्रतियोगिता में सांत्वना स्थान प्राप्त करने पर बधाई।

संपादक मंडल

संरक्षक : श्री सत्य प्रकाश (मुख्य परिचालन प्रबंधक)
मार्गदर्शन : श्री प्रभात रंजन (मुख्य यातायात योजना प्रबंधक)
मुख्य संपादक : श्री एल.एम. सैयद (प्राचार्य)
श्री के.के.वर्मा (उप प्राचार्य)
संपादक : श्री अरूण प्रताप श्रीराम (सहा.मंडल विद्युत इंजी.)
संकलक : श्री विजय काशीनाथ मोरे (वरि.यातायात प्रशिक्षक)
ग्रफिक्स/सज्जा : श्री शशिकांत केशव माली (वरि.सिमुलेटर प्रशिक्षक)
छायांकन : श्री अतुल एम. दांडवेकर (वरि.यातायात प्रशिक्षक)
सहयोग : श्री अरुण कुमार सिंह (वरि.,यातायात प्रशिक्षक)

धन–संग्रह की अपेक्षा तपस्या का संग्रह श्रेष्ठ है।

Printed at Central Railway Printing Press, Byculla, Mumbai - 400 027